महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४ द्वारा
निर्धारित कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित

हिंदी लोकभारती
WORKBOOK
दसवीं कक्षा

विशेषताएँ

- बोर्ड कृतिपत्रिका प्रारूप व अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- प्रत्येक पाठ का गद्यांश व पद्यांश में विभाजन
- विविध आकलन कृतियों का समावेश
- अधिकाधिक अभ्यास हेतु भाषा अध्ययन (व्याकरण) का प्रत्येक पाठ में समावेश
- स्वयं अध्ययन हेतु अपठित गद्यांश विभाग का समावेश
- कृतियों के उत्तर लिखने हेतु पर्याप्त जगह
- बोर्ड परीक्षाओं (मार्च २०१९, २०२०, २०२२, जुलाई २०१९, दिसंबर २०२०) में पूछी गई महत्त्वपूर्ण कृतियों का समावेश
- मार्गदर्शन हेतु कृतिपत्रिका प्रारूप का समावेश
- विद्यार्थियों के लेखन कौशल के विकास हेतु उपयुक्त

विद्यार्थी का नाम : ----------

विद्यालय का नाम : ----------

कक्षा : ---------- **वर्ग :** ---------- **अनुक्रमांक :** ----------

Sample Content

Printed at: **Print to Print,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 2560** P.O. No. 6971

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थियो!

हम सहृदय दसवीं कक्षा में आपका अभिनंदन करते हैं। शिक्षा की पारंपरिक पद्धतियों में परिवर्तन कर उसे आधुनिक स्वरूप में ढालने व शिक्षा को व्यवहार जगत से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षण मंडळ ने इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। शिक्षण मंडळ के उठाए गए इस कदम से ज्ञान के रूप में विविधता आने के साथ ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास निश्चित है। कृतिपत्रिका प्रारूप को आधार बनाकर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी लोकभारती Workbook: दसवीं कक्षा** का निर्माण किया गया है।

इस Workbook में गद्य, पद्य, पूरक पठन व अपठित गद्यांश को शामिल किया गया है। भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग को विद्यार्थियों के सुलभ अभ्यास हेतु प्रत्येक पाठ में भाषिक कौशल के पहले संकलित किया गया है। Workbook की रचना के दौरान प्रत्येक विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर लिखने हेतु भरपूर जगह उपलब्ध की गई है। प्रत्येक पाठ को कृतिपत्रिका प्रारूप के आधार पर विभाजित करने का उद्देश्य पाठ्यक्रम को रुचिकर व सरल बनाने के साथ ही विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए सज्ज करना है।

प्रत्येक परिच्छेद के अंतर्गत समाविष्ट ग्रहण, स्मरण व समझ पर आधारित कृतियाँ विद्यार्थियों के ज्ञान एवं आकलन क्षमता में वृद्धि करेंगी। पाठ के अंत में आए 'भाषिक कौशल' के अंतर्गत दी गई कृतियाँ न केवल विद्यार्थियों में उपयोजन व कौशल क्षमता विकसित करेंगी, बल्कि उन्हें कल्पनाशीलता तथा सृजनशीलता की ओर उन्मुख भी करेंगी। विद्यार्थियों की वैचारिक क्षमता के विकास हेतु अपठित गद्यांश का भी इस Workbook में समावेश किया गया है। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु कृतिपत्रिका प्रारूप भी शामिल किया गया है।

अभ्यास हेतु Workbook में दी गई वैविध्यपूर्ण कृतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की सृजनशक्ति का विकास होगा व आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। हमें आशा और विश्वास है कि निश्चय ही यह Workbook विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी।

Workbook की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल है: mail@targetpublications.org

उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: दूसरा

Sample Content

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी लोकभारती; प्रथमावृत्ति: चौथा पुनर्मुद्रण: २०२२' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

दसवीं कक्षा – हिंदी लोकभारती

कृतिपत्रिका का प्रारूप

समय: ३ घंटे **कुल अंक: ८० अंक**

विभाग १ – गद्य			**२० अंक**
प्र.१	**(अ)**	**पठित गद्यांश** (१३० से १५० शब्द)	**८ अंक**
प्र.१	**(आ)**	**पठित गद्यांश** (१३० से १५० शब्द)	**८ अंक**
	१.	आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	२ अंक
	२.	आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	२ अंक
	३.	शब्दसंपदा (४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) (शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)	२ अंक
	४.	अभिव्यक्ति (२५ से ३० शब्दों में)	२ अंक
प्र.१	**(इ)**	**अपठित गद्यांश** (८० से १०० शब्द)	**४ अंक**
	१.	आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	२ अंक
	२.	अभिव्यक्ति (२५ से ३० शब्दों में)	२ अंक
विभाग २ – पद्य			**१२ अंक**
		सूचना – एक मध्ययुगीन और एक आधुनिक रचना का चयन आवश्यक है।	
प्र.२	**(अ)**	**पठित पद्यांश** (८ से १० पंक्तियाँ)	**६ अंक**
प्र.२	**(आ)**	**पठित पद्यांश** (८ से १० पंक्तियाँ)	**६ अंक**
	१.	आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	२ अंक
	२.	शब्दसंपदा (४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) (शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)	२ अंक
	३.	सरल अर्थ (२५ से ३० शब्दों में)	२ अंक
विभाग ३ – पूरक पठन			**८ अंक**
प्र.३	**(अ)**	**पठित गद्यांश** (८० से १०० शब्द)	**४ अंक**
	१.	आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	२ अंक
	२.	अभिव्यक्ति (२५ से ३० शब्दों में)	२ अंक
	(आ)	**पठित पद्यांश** (६ से ८ पंक्तियाँ)	**४ अंक**
	१.	आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	२ अंक
	२.	अभिव्यक्ति (२५ से ३० शब्दों में)	२ अंक

Sample Content

विभाग ४ – भाषा अध्ययन (व्याकरण)	१४ अंक

प्र.४ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

१.	शब्दभेद– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण पहचानना (१ घटक, १ अंक)	१ अंक
२.	दो अव्यय शब्दों में से किसी एक शब्द का वाक्य में प्रयोग करना (१ घटक, १ अंक)	१ अंक
३.	संधि (दो में से कोई एक पहचानना, विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	१ अंक
४.	दो में से कोई एक सहायक क्रिया पहचानना तथा उसका मूल रूप लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	१ अंक
५.	दो में से किसी एक प्रेरणार्थक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय रूप लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	१ अंक
६.	मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना	१ अंक
७.	कारक– पहचानना और भेद लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	१ अंक
८.	विरामचिह्न– वाक्य में प्रयोग (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक)	१ अंक
९.	तीन में से दो वाक्यों का काल परिवर्तन (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक)	२ अंक
१०.	वाक्य के भेद	२ अंक
	i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना (१ घटक, १ अंक)	
	ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना (१ घटक, १ अंक)	
११.	वाक्य शुद्‌ध करना (४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक, दो वाक्य, प्रत्येक वाक्य में दो अशुद्‌धियाँ)	२ अंक

विभाग ५ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन)	२६ अंक

प्र.५ सूचना के अनुसार लिखिए :

(अ)	१.	पत्र-लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक) (दो में से एक) (विकल्प अंक: ५)	५ अंक
	२.	गद्‌य-आकलन (अपठित गद्‌यांश पर आधारित ४ प्रश्न तैयार करना)	४ अंक
(आ)	१.	वृत्तांत-लेखन (७० से ८० शब्दों में)	५ अंक
		अथवा	
		कहानी-लेखन (मुद्‌दों के आधार पर) (७० से ८० शब्दों में) (विकल्प अंक : ५)	
	२.	विज्ञापन-लेखन (५० से ६० शब्दों में)	५ अंक
(इ)		निबंध-लेखन (तीन में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में) (विकल्प अंक : १४)	७ अंक

(पाँच प्रकारों में से तीन प्रकार के विषय देने हैं। विद्‌यार्थियों को उनमें से किसी एक विषय पर निबंध लिखना है।)

लोकभारती कुल अंक विभाजन

लिखित परीक्षा – ८० अंक			
विभाग	**घटक**	**अंक**	**विकल्प अंक**
१	गद्‌य	२०	
२	पद्‌य	१२	
३	पूरक पठन	०८	
४	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	१४	१०
५	उपयोजित लेखन	२६	२४
	कुल अंक	८०	३४

अंतर्गत मूल्यमापन – २० अंक

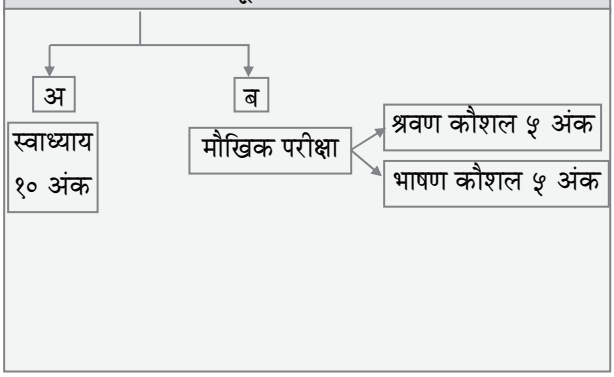

Sample Content

विषय - सूची

क्र.	पाठ का नाम	रचनाकार	पृष्ठ
	पहली इकाई		
१.	भारत महिमा	जयशंकर प्रसाद	१
२.	लक्ष्मी	गुरुबचन सिंह	७
३.	वाह रे! हमदर्द	घनश्याम अग्रवाल	१९
४.	मन (पूरक पठन)	विकास परिहार	३१
५.	गोवा: जैसा मैंने देखा	विनय शर्मा	३९
६.	गिरिधर नागर	संत मीराबाई	५३
७.	खुला आकाश (पूरक पठन)	कुँवर नारायण	६१
८.	गजल	माणिक वर्मा	६९
९.	रीढ़ की हड्डी	जगदीशचंद्र माथुर	७७
१०.	ठेस (पूरक पठन)	फणीश्वरनाथ रेणु	८९
११.	कृषक गान	दिनेश भारद्वाज	९८
	दूसरी इकाई		
१.	बरषहिं जलद	गोस्वामी तुलसीदास	१०४
२.	दो लघुकथाएँ (पूरक पठन)	नरेंद्रकौर छाबड़ा	१११
३.	श्रम साधना	श्रीकृष्णदास जाजू	१२०
४.	छापा	ओमप्रकाश 'आदित्य'	१३३
५.	ईमानदारी की प्रतिमूर्ति	सुनील शास्त्री	१४२
६.	हम उस धरती की संतति हैं (पूरक पठन)	उमाकांत मालवीय	१५४
७.	महिला आश्रम	काका कालेलकर	१६१
८.	अपनी गंध नहीं बेचूँगा	बालकवि बैरागी	१७१
९.	जब तक जिंदा रहूँ, लिखता रहूँ	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	१७८
१०.	बूढ़ी काकी (पूरक पठन)	प्रेमचंद	१९०
११.	समता की ओर	मुकुटधार पांडेय	२०३
•	अपठित गद्यांश		२११

निर्देश: पाठ में दी गई कृतियों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

Sample Content

नमूना कृतिपत्रिकाओं का अभ्यास कर बोर्ड परीक्षा की तैयारी आसानी से कीजिए। **"SSC 54 Question Papers & Activity Sheets With Solutions"** के बारे में अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

बोर्ड परीक्षा के करीब पहुँचकर क्या पूरी पुस्तक का अभ्यास करना नामुमकिन लग रहा है?
चिंता की कोई बात नहीं, क्योंकि हमारे **"Important Question Bank (IQB)"** पुस्तक के माध्यम से आप बड़ी सरलता से महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

व्याकरण में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी व्याकरण व शब्दसंपदा"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

उपयोजित लेखन में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी उपयोजित लेखन"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

Scan the adjacent QR Code to know more about our **"Board Questions with Solutions"** book for Std. X and Learn about the types of questions that are asked in the X Board Examination.

Sample Content

१ भारत महिमा

– जयशंकर प्रसाद

कृतिपत्रिका के प्रश्न २ (अ)/(आ) के लिए

पद्यांश १

पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक १

[हिमालय के आँगन में .....
..... सिंहल को भी सृष्टि।]

निर्देश: यहाँ पद्यांश की पंक्तियों को पूरा न देते हुए उसके आरंभ और अंत के शब्द संकेत के लिए दिए गए हैं। विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक से इन पंक्तियों को पढ़ें। ज्ञात हो कि परीक्षा में पद्यांश की पूरी पंक्तियाँ दी जाएँगी, जिसके आधार पर कृतियों के उत्तर लिखने होंगे।

१. आकलन कृतियाँ

***१. लिखिए:**

कविता में प्रयुक्त दो धातुओं के नाम

---	---

२. संजाल पूर्ण कीजिए:

पद्यांश में उल्लिखित देशों के नाम

---	---	---	---

३. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों:

१. हिमालय – ---

२. धर्म – ---

२. शब्द संपदा

१. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:

१. कोमल × --- २. मधुर × ---

३. विजय × --- ४. धर्म × ---

Sample Content

२. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्गयुक्त शब्द बनाइए:

१. हार – ---------- २. धर्म – ----------

३. घर – ---------- ४. दृष्टि – ----------

३. सरल अर्थ

१. पद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।

उत्तर: ----------

पद्यांश २

पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक १

[किसी का हमने छीना नहीं .....
..... हमारा प्यारा भारतवर्ष।]

१. आकलन कृतियाँ

*१. लिखिए:

भारतीय संस्कृति की दो विशेषताएँ

----------	----------

२. संजाल पूर्ण कीजिए:

समय बीतने के बाद आज भी वही है

----------	----------	----------	----------	----------	----------

*३. निम्नलिखित पंक्तियों का तात्पर्य लिखिए:

१. कहीं से हम आए थे नहीं .....

उत्तर: ----------

Sample Content

२. **वही हम दिव्य आर्य संतान .....**

उत्तर: ----------

---

*४. **उचित जोड़ियाँ मिलाइए:**

संचय, सत्य, अतिथि, रत्न, वचन, दान, हृदय, तेज, देव

अथवा

उचित जोड़ियाँ मिलाकर लिखिए: [मार्च २०२२]

उत्तर:

क्र.	अ	ब
१.	----------	----------
२.	----------	----------
३.	----------	----------
४.	----------	----------
५.	----------	----------

२. शब्द संपदा

१. **उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर नये शब्द लिखिए:** **[मार्च २०२२]**

उपसर्गयुक्त	नम्र	प्रत्ययुक्त
----------		----------

२. **निम्न शब्दों के लिए पद्यांश में आए विलोमार्थी शब्द लिखिए:** **[मार्च २०२२]**

१. अज्ञान × ---------- २. दानव × ----------

३. सरल अर्थ

१. **पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों के बाद की चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।**

अथवा

पद्यांश की प्रारंभिक चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए। **[मार्च २०२२]**

उत्तर: ----------

Sample Content

पाठ पर आधारित कृतियाँ

***१. प्रस्तुत कविता की अपनी पसंदीदा किन्हीं दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।**

उत्तर: ---

कृतिपत्रिका के प्रश्न ४ के लिए

भाषा अध्ययन (व्याकरण)

१. अधोरेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

१. यह <u>राम</u> का भाई है। – ---

२. <u>तुम</u> जल्दी से भोजन तैयार करो। – ---

३. कौन <u>गाना</u> गा रहा है? – ---

४. <u>जैसा</u> बोओगे, <u>वैसा</u> काटोगे। – ---

२. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

१. के बाहर – ---

२. प्रतिदिन – ---

३. अथवा – ---

४. कहाँ – ---

३. तालिका पूर्ण कीजिए:

क्र.	संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
१.	---	सम् + चय	---
२.	निश्चल	---	---

Sample Content

३.	----------	वि + अर्थ	----------
४.	विद्यार्थी	----------	----------

४. निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रियाएँ पहचानकर उनके मूल रूप लिखिए:

१. अंजुम ने टेबल गंदा कर दिया। – ----------

२. श्रद्धा ने फौरन चिकित्सक को बुला लिया। – ----------

३. पुस्तक मेज पर रख दी। – ----------

४. वह सो चुका। – ----------

५. निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए:

क्र.	क्रियाएँ	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
१.	सीना	----------	----------
२.	बढ़ना	----------	----------

क्र.	क्रियाएँ	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
३.	पढ़ना	----------	----------
४.	जगना	----------	----------

६. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[मार्च २०२०]**

निछावर करना – ----------

वाक्य: ----------

७. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारक पहचानकर भेद सहित लिखिए:

१. रवीना पेड़ से गिर पड़ी। – ----------

२. यह संजना की कलम है। – ----------

३. कृष्ण ने जन्म लिया। – ----------

४. अरे बेटा! यहाँ तो बड़े सुंदर फूल हैं। – ----------

८. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए:

१. हे प्रभु आप सभी के रक्षक हैं – ----------

२. देवसेना का आना जाना शुरू हो गया – ----------

३. बाराती नाचते गाते द्वार पर पहुँच गए – ----------

४. अब डॉ गोपाल क्या पहनेगा – ----------

Sample Content

९. निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

१. लोमड़ी बहुत भूखी थी। (सामान्य भविष्य काल) – ----------

२. नेता जी कल शपथ ग्रहण करेंगे। (अपूर्ण भूत काल) – ----------

३. शीबा नाच रही है। (पूर्ण वर्तमान काल) – ----------

४. शिवानी खाना खा चुकी। (पूर्ण भूत काल) – ----------

१०.

i. निम्नलिखित वाक्यों के रचना के अनुसार भेद लिखिए:

१. समीर बड़ों की बात सुनता है। – ----------

२. जो सहनशील होता है, उसका सम्मान होता है। – ----------

३. परिश्रमी व्यक्ति को सफलता मिलती है। – ----------

४. रमेश गंदा लड़का है और विजय अच्छा लड़का है। – ----------

ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन कीजिए:

१. हिमालय ने भारत को उपहार दिया। (प्रश्नार्थक वाक्य) – ----------

२. विमल ने हाथों में वीणा ली। (आज्ञार्थक वाक्य) – ----------

३. लोहा हमेशा विजयी नहीं होता है। (विधानार्थक वाक्य) – ----------

४. उसमें आज भी वही शक्ति है। (विस्मयार्थक वाक्य) – ----------

११. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

१. इंजमाम ने यह चिट्ठि लिखि है। – ----------

२. अंकित रोज भृमण करने जाती है। – ----------

३. पिता जि ने अपने लिए नए वस्तृ खरीदे। – ----------

४. मेरी आख से आसू निकलने लगे। – ----------

[सूचना : कविता का भावार्थ सरलता से समझने के लिए दिए गए Q. R. Code को *Quill - The Padhai App* द्वारा स्कैन कर वीडियो देखिए।**]**

शिक्षक टिप्पणी: ---------- दिनांक: ----------

Sample Content